सूना है मन मेरा | By Mukesh Bagda |

सूना है मन मेरा सूना-सूना घर द्वार
मइया मेरे भी घर आओ तुम एक बार
हे जगजननी तुम तो जग की हो पालनहार
हे माँ दुर्गे मेरी सुनके आओ पुकार

सूना है मन मेरा सूना-सूना घर द्वार
सूना है मन मेरा ----------

तुम जो आओ मइया मैं तुमको अपनी सुनाऊ
तुम तो सबकी जानो हो क्या तुमसे छिपाऊ
दिल की अपने कर लूं मैं तुमसे बातें चार
अपने जीवन से मैं हूँ गया अब तो हार

सूना है मन मेरा सूना-सूना घर द्वार
सूना है मन मेरा ----------

करुणा की तुम मूरत सबके दुखड़े दूर करो
पाप करे क्या मैंने जो तुम ना भंडार भरो
पार करो तुम सबको, मुझ निर्धन को दो तार
आके बिगड़ी मेरी मइया दो तुम संवार

सूना है मन मेरा सूना-सूना घर द्वार
सूना है मन मेरा ----------

सुंदर कितना पावन माँ बेटे का नाता है
नाम तुम्हारा जो बेटे के संग जुड़ जाता है
सुखी ना उसके जैसा बेटा जाने ये संसार
हमपे आके मुझे कर लो थोड़ा सा प्यार

सूना है मन मेरा सूना-सूना घर द्वार
सूना है मन मेरा ----------

मैं ना मांगू चांदी-सोना, ना हीरे मोती
तेरे नाम की मन में मेरे जागी रहे ज्योति
छोड़ चली माँ आओ तुम पर्वत और पहाड़
मेरे जीवन में खुशियों की कर दो बहार

सूना है मन मेरा सूना-सूना घर द्वार
सूना है मन मेरा ----------

सूना है मन मेरा सूना-सूना घर द्वार
मइया मेरे भी घर आओ तुम एक बार
हे जगजननी तुम तो जग की हो पालनहार
हे माँ दुर्गे मेरी सुनके आओ पुकार

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%b8%e0%a5%82%e0%a4%a8%e0%a4%be-%e0%a4%b9%e0%a5%88-%e0%a4%ae%e0%a4%a8-%e0%a4%ae%e0%a5%87%e0%a4%b0%e0%a4%be-by-mukesh-bagda/